

असाधार्गा EXTRAORDINARY

भाग III—शुरुष्ठ 1 PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 13]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, जून 18, 1987/क्येक्ट 28, 1909

No. 13]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1987/JYAISTHA 28, 1909

इस भाग वों भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रॉज 6

भागकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचनाएं

नई दिल्ली: 9 जुन, 1987

निर्देश सं. घाई. ए. सी./एक्यू./6/37 द र/9-86/91:—ज्यतः मुझेटी. के. साह घायकर प्राविनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे समें इसके पश्चात 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है) की घारा 260 ख के प्रधीन सक्षम प्रक्रिशरी को यह विश्वाम कराने का कारण है कि स्थरदर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- व. में अधिक है और जिसकी सच्या है तथा जो 3, पसेग स्टाफ रोड, नई देखी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुमूखी में पूर्ण रूप में वर्णित है), 'सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय धायकर प्रधिनियम 1961 की शारा 269 क ख के प्रधीन नारीख मितम्बर 1986 को पूर्ण क्त सम्पत्ति है उत्तर बाजार मूल्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्ण किम सम्पत्ति । उचित-बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल ते ।

के पत्यह प्रतिक्षत प्रधिक हैं और भन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बींच ऐसे भन्तरण, के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है ---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आद की बाबत मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारनीय भागकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या भागकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) या अनकर प्रविनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः प्रवा उक्त प्रिक्षितियम की धारा 269-ग के प्रानृसरण में, मैं उक्त प्रिप्तित्यम की धारा 26-प की उप-धारा (1) के प्रधीत निम्नलिखित उपिक्तियों प्रभित् :---

श्रीमित सस्या मस्होत्ना
 भनेग स्टाफ रोड,
 सिचिल लाइंस, नई बिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमति सुमिस्ना गुप्ता व श्रीमिस गांति वेशी
 24/13, शक्ति नगर, दिल्ली-110007 (भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीया से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनशब किनी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो झायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं झर्च होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

यनुसूची

प्लोट मं. 3 प्लेग स्टाफ, रोड, नई विल्ली 490 वर्ग मोटर सिविल साइंस, नई दिल्ली ।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागून हो उसे काट दी जिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME FAX ACQUISITION RANGE VI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th June, 1987

(Scq)|R-VI|37EE|9-86|91.--I.A.C. Ref. No. Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 100000|and 3-Flag bearing No. Staff Road. at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of Income Tax Rules 1962 in September 1986 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Satya Molhotra 3, Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta & Smt. Shanti Thevi 24|13, Shakti Nagar, Delhi-110007. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said infimovable property within 45 days from the date of publication of this rotice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"3, Flag Staff Road, Delhi 490 sq. mts|Civil Line, Delhi."

Date: 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. घ्राई. ए. सी /एक्यू./6/37 इ इ/9-96/92---- मतः मुझे दी. के. साह आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिविनियम' कह, गय, है) की धार, 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करानेका कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसमे उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रः. से ब्रिधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 80/12, सब्सू इ.ए. करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में पूर्ण रूप से र्वाणत है), ^कसक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धार। 269 क ख के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वासकरने का कारण है कि यव। पूर्वोशित सम्मत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे देश्यमान प्रतिकल के पन्द्र ह प्रतिशत मधिक हैं और श्रन्तरक (धन्तरकों) और भ्रम्तरिसो (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रम्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) प्रत्यरण से हुई किसी प्र.य को बाधत प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और (का) ऐसे किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

प्रतः प्रव उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात : न

- श्री/श्रीमित/कुमारी मोटर एंड जनरल फाइनेंस लिमि.
 एम जी. एफ हाउस, 17बी, भ्रासफ मली रोड, नई दिल्ली।
- 2. श्री/श्रीमित/कुमारी रतन एक्सपोर्ट एंड इंडस्ट्रींज लिमि.,
 ए-130, प्रयोक बिहार-3,
 नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समास्ति के अर्जन हे लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उन्हाँ सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिस की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कार।
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त मन्त्रों और पदों का, जो आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

धनुसूर्घः

209.5 वर्ग गज 2 1/2 स्टारिक हासस $8\sqrt{12}$, कब्लू इ ए करोल बाग, नई दिल्ली ।

तारीख 9 जून, 1987

Ref. No.

*(को लागुन ही उसे काट वीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

IAC. (Acq) | R-VI | 37EE | 9-86-92.--

Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. BA 12. W.E.A. situated Karol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under with the Competent Authority uls 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M|s. Motor & General Finance Ltd., M.G.F. House, 17B. Asaf Ali Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M|s. Rattan Export and Industries Ltd. A-130, Ashok Vihar-III, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"209.5 sq. yds. 2-1/2 storeyed house on 8A/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.'

Date: 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. श्राई. ए. सौ./एवयू./ह/एस ग्रार-3/9-86/442 अल मुझे टी के साह आयकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक है और जिसकी संख्य है तथा जो एम पी एल तं. 10472 वार्ड नं. 16, प्लाट नं. 44, बताक नं. 15-ए, डब्ल्यू इ ए, करोल बाग गई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद यनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), "राजिस्ट्रीकार्त प्रधिकारों के कार्यात्य नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रक्षिक के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का स्थारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान मुध्यस से ऐसे दृश्यमान प्रक्षिक से ऐसे दृश्यमान प्रक्षिक के प्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान मुध्यस से ऐसे दृश्यमान प्रक्षिक से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान मुध्यस से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के एस से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान मुध्यस से ऐसे एसे देशीर सम्पत्त का स्थान प्रतिक स्थान है और सम्पत्त का स्थान स्थान स्थान है और सम्पत्त का स्थान स्थान से स्थान है और सम्पत्त का स्थान से स्थान स्थान है और सम्पत्त का स्थान स्थान स्थान है और सम्पत्त का स्थान स्थान से स्थान है और सम्पत्तक स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान

भन्तरक (अल्लरकों) और अन्तरिती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्षिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अक्तरणं से हुई फिसी न्नाय की बाबत प्रायकर श्रीधिनियम 1961 (1961 का 43) के सधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बजने में मुविध। के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिथम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

मतः स्रव उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रिचिमयम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के मधीन निम्त-मिखित व्यक्तियों धर्यात् :

- 1. श्री/श्रीमिति/कुमारी जे एल बिरमानी सु. स्वर्णीय टी ग्रार विरमानी गए/73 डब्लू इ ए, करोलबाग, नई विल्ली और डब्ल्यू सी अनरल एटोरनी वेदशप्रकाश विरमानी सुनू. टी ग्रार बिरमानी 17-माडल टाउन, श्रम्बाल, सिटी, पंजाब । (प्रकारिती)
- श्री/श्रीमति/कुम.री विक.स एक्केंसी श्रा. लिमि. ए-4, मायापुरी फेस-1, बारा के. एम. चावला,

(घन्तरती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रार्थन के लिए कार्यजाही सूक करता g ।

एक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति छ।रा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगें।
- स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथ। परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रापर्टी विकरिय एम पी नं. 10472 वॉर्ड नं. 16, प्लाट नं. 44, स्लाक-35ए, जब्नू इ ए करील आग. नई दिल्ली। सामाची 266.6 वर्ग गज ।

तारीख 9 जुन, 1987

*(जो लागृन हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq.) R-VI|SR-III|9-84|442.—Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Mp. No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-A situted at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri J. L. Birmani s|o Late Shri T.R. Birmani, 7A|73, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, and duly constituted General Attorney of Shri Ved Prakash Virmani s|o. Shri T. R. Birmani, 17-Model Town, Ambala City Punjab. (Transferor)
- (2) M|s. Vikash Agencies Private Limited, A-4, Maya Puri. Phase-I. New Delhi, through it Director Shri K. S. Chawla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"Property bearing Municipal No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-a situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 266.6 sq. yds."

Date: 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आर्ध. ए. सी./एक्यू./6/एस आर3/9-86/446:--श्रवः मुझे श्री टी के सह श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 की 43) जिसे इसमें इसके परचीत् 'उक्त ब्रधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख के प्रक्षीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित याजार मूख्य 1,00,000/- इ. से मधिक है भौर जिसकी संख्या है सथा जो प्लाट नं. 1, स्लाफ नं. 10-बी, देश बंध गुप्ता रोड करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (बीर इससे उपास्त्र अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के भन्नीन श्रविनियम 1961 की घारा 269 क ख के प्रधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छनित बाजार मूल्य से कम दुण्यमान हतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि सभापूर्यीक्ति सम्पत्ति का उचित-बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत प्रधिक है बीर प्रस्तरक (बन्तरकों) बीर श्रन्तरिक्षी (ब्रन्स(रिनियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तय पामा गर्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त भ्रस्तरण निश्चित में बास्तविक रूप में मधित नहीं किया गया है---

and the commence of the contract of the contra

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की अब्बत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए और,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या अधिकर आधिनियम, 1961 (1961 पा 43) या अकर अधिनियम (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती हारा अकट नहीं किया गया आनी चाहिए था, कियाने से सुविधा के निए,

भतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उप-धारों (1) के प्रक्षीन निस्त-विक्रित व्यक्तियों भर्थात् :---

- 1. श्री/श्रीमही/शुमारी धर्मबीर सुपुत स्वर्गीय भी हरिषद , निवामी 431, मथुरा रोड, जंगपुरा नई दिल्ली तथा हो . पी जोपड़ा द्वारा एटोरनी कंतलजीत सिंह, गोंदी सुपुत बलदेव सिंह, गोंदी, ए-89, नीतिबाग, मई दिल्ली । (धन्तरक)
- 2. श्री अवकुमार मिरानी हरजसपात मिह आर०के० छावडा, श्रीमती एन० के० छावडा, श्रीमती गुरशरन कौर, मिस मनमीत कौर मोधी, श्रीमती यनिनंदर गोंधी चावला फेमिसी प्रा०ट्रस्ट 1-116 अशोक बिहार मई दिल्ली। (प्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की मारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्त्रास्वाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उसन स्थायर सम्मति में दितकद किसी ध्रम्य अपनित । । शारी अधोतस्ताकरों के पास शिक्षित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो झायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाम में विधा गया है।

धनुसूची

्प्लाट नं. 1 ब्स्ताक नं. 16-वी, देशबंधु गुप्ता रोड, करील बाग, नई दिल्ली नोवावी 180 वर्ग गज ।

तारीकः 9 जून, 1987

सीच

*(जो लागू न हो उसे फाट वीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

I.A.C.(Acq.)|VI|SR-II|9-86|446-No. Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 1, Block No. 16-B, situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (1) of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Dharambir so Late Shri Hari Chand Ro 431, Mathura Road, Jangpura, New Delhi and O P Chopra through Att. Kanwaljeet Singh Goindi so Baldev Singh Goindi Ro. A-89, Neeti Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Jai Kumar Meerani, Harjaspat Singh, R. K. Chhabra, Mrs. N. K. Chhabra, Mrs. Gursaran Kaur, Miss Manmmet Kaur

Sodhi, Mrs. Maninder Goindi Chawla Family Pvt. Trust, I-116, Ashok Vihar, Now Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Plot No 1, Block No. 16-B, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, measuring 180 sq. yds:

Date: 9th June, 1987.

Scal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. भार्र. ए. सी./एक्प्./6/एस भार-3/9-86/447:--भत. मुझे टी के माह प्रायकर प्रकितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख के बाधीन सक्षम श्रीवकारी को यह विश्वाम कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या 16/3 है तथा जो 16/3, डब्लू इ ए, करोलवाग, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपानक भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यानय नई विस्ती में भारतीय रिजस्टी-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उक्ति-बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात प्रधिक है ग्रीर क्रमरक (अन्तरकों) और मन्तरितों (मन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देशम से उनत अन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के दायत्व में कमी करने यो उससे बचने में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य श्रांस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रवं उक्तं श्रिधिनियमं की घारां 269-म के श्रनुसरण में, मैं ज्वतं श्रिधिनियमं की घारां 269-म की उप-धारां (1) के श्रिधीन निम्निक्तिक स्पिक्तयों श्रमीत् ——

1. श्री/श्रीभर्षा/कुमारी श्रीतमसिंह भाज सुपुत्र स्वर्गीय एस भावा सिद् भर्ज, निवासी-16/3, उन्त्यु इ ए, करोल बाग, मई विस्तरि (श्रन्तरक) 2. श्री/श्रीमती/कुमारी एरिस भोवसिएस प्रा. लिमि. श/18, कालका एक्सटेंगन, नई दिल्ली बारा मैनेजिंग अध्ययेक्टर एम. जमपाल सिंह बला । (भारारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यकाही गुरू करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घांक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भवधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की भवधि को बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रशृक्त शन्दों और पदों का, जो धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के धध्याप 20-क में यथा परिवाधित है, वही धर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रापर्टी बिर्धारण मकान न 3, ब्लाक नं. 16, एक्तटें ति, क्षेत्र करोलनाग, नई ब्रिक्ती । खसरा नं. 1 और खातैकी नं. 1160, सादावी लगभग 280 वर्ग गज ।

तारीक 9 जून, 1987

सीम

*(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

IAC.(Acq.)|R-VI|SR-III|9-86|447.--No. Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. H. No. 3, in Block XVI in West Exten. Area situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian

Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Pritam Singh Bharj s|o Late S. Bawa Singh Bharj R|o 16|3 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Tarnsferor)

(2) M|s. Aeries Overseas Pvt. Ltd., 8|16, Kalkaji Exten. New Delhi through its Managing Director S. Jaspal Singh Batra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of his rotice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Property bearing H. No. 3, in Block No. XVI, in West Extn. Area of Karol Bagh, New Delhi, falling in Khasra No. 1947|1164, Khewat No. 1 & Khatauni No. 1160. Measuring about 280 sq. yds.

Date: 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सो: /एक्यू./6/एम बार-3/9-86/451:----भतः मुझे टें के साह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की क्षारा 269 ख के अर्थीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/ र से मधिक है और जिसकी संक्याहैसथाओ 17 ए∫58 डक्स्यू इ.ए. करोलवाम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे जुपाबद ग्रनसुर्चा में पूर्ण रूप से वर्णित है)*, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय महिदल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपत्ति का उखित-धाजार मुल्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (शंतरकों) भीर अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है ---

 (क) प्रंतरण से हुई किसी ग्राय का वावन आधकर प्रधिनियम, 1961
 (.1961 का 43) के अधीन कर देने के घंतरण के वाकिक में कमी करने जा असमे अधने में मुविधा के लिए, धौर (छ) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा धन्य धास्तियों, कों, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धासकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर मिधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ भौतिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए,

भनः अस उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात —

- श्रिमको बिसवा मोहिनं राजपाल परना श्री बन्द्रभान राजपाल द्वारा एटीरना बन्द्रभान राजपाल निवासी—17ए/58, बब्स्यू इ.ए. करौल साग, नई दिल्लां। (अन्तरक)
- 2. भी सतपाल मीर, नरेन्द्र कुमार धीर, विरेन्द्र कुमार धीर गुपूत्र बवरा नाथ निवासी 16/17, टैगार मगर, मिबिल लाइन्स, लुधियाना क्तमान 250-ए, अनकपुरी मई विल्ली।
 (श्रेतरिता)

को यह सुचना आरं। करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही शुरु करता हु। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लारी का से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधा व्यक्तियों पर सूचना को तामी क से 30 दिन को अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसा व्यक्ति द्वारा
- (खा) इस सूचना के राजपल में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितकक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारी, अधीहस्ताक्षर। के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पर्व्ह करण - इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो अध्यकर भविनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट सैंड न. 58, स्पाक न. 17-ए, इस्ल्यू इ ए, करोलबान, नई दिल्पो । तावादी 234 वर्ग गण।र तारीच 9 जून 1987

मो ल

*(जो लागून हो उसे काट कंकिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq.)|R-VI|SR-III|9-86|451.—Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Plot of Land No. 58 situated in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the considederation for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate propedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. Vishwa Mohini Rajpal Shri Chander Bhan Rajpal through Attorney Shri Chander Bhan Rajpal R|o 17A|58, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Gatpal Whir, Shri Narender Kumar Dhir, Virender Kumar Dhir All sons of Shri Badri Nath Dhir Rio, 16|17-B, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana at present 250A, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Plot of land No. 58 in Block No. 17-A. W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sy, yds.

Date: 9th June, 1987.

Scal

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. आई. एं. सी /एक्यू./6/एस सार-3/9-86/452 :--श्रत, मुझे टां के साह श्रायकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पम्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है की धारा 269 ख के प्रधान सक्षत प्रधिकार। को यह विक्यास कराने का कारण 🕏 ि स्थावर संपत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/६. से प्रधिक है भीर जिसका संख्या, है तथा जो 8/8, देशबन्धू गुस्ता रोड, नई दिल्लं। 1 में स्वित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण से वर्णित है), *रजिस्ट,कर्ता प्रधिकारं, के कार्यात्रय नई दिल्ली में भारतीय रिनरट्रंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान नार्राख मिनम्बर 1986 की पूर्विक्त संपत्ति के उचित्र बाजार मुख्य से कम दुष्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है ग्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित-बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरितों (अतरितं।यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ते जनत श्रीतरण लिखिन में बास्तविक रुप से कथिन नहीं किया गया है -

- (क) प्रंतरण से हुए किसी याय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रंतरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने ने सुविधा के लिए प्रीन
- (ख) ऐसी किमो प्राय या किसो धन या प्रन्य झास्तियों की, जिल्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भेतिरतों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्रिक्षा के निए,

श्रतः श्रव उसत अधिनियम को श्राच 269-म के श्रनुमरण में, मैं उसन अग्निनयम को श्राच 269 च की अप-श्राच (1) के श्रशीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थान ---

1. श्री मदन सिंह नय्यर सुगुन्न श्री अर्जन सिंह $[8/8,\,8]$ श्री गृथ्य। रोड, पहाइगज, नई दिल्ली ।

(ग्रनग्कः)

2. श्रं विनोद गोगिया सुपूत्र श्री जे आर गोगिया (2) सुनि ल गोगिया सुपूज श्री जे आर गोगिया (3) श्री मती सुवा गोगिया पत्नी श्री जी सी गोगिया 4319/3, अंसारी रोड, दरियागंज, नई विस्ती। (अंसस्ति)

का यह भूचना जारी फरके पूर्वोचन सपित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करता हूं। जनन संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में घमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बारी।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी को से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबदा किया प्रस्थ ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों, का, जो आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यदा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था है।

प्रनुसूची

प्रापर्टी नं. 8/3 देणबच्यु गुप्ता रोड, नई दिल्लो विदायो लगभग 333.34 वर्ग गज खासरा नं. 915/710 भीर 711 तार्रिख 9 जुन, 1987

*(जो लागून हो उसे काट दंजिए)

(Acq.)|V1|SR-III|9-86|452.--Ref. No. IAC Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8|8, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in. the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Madan Singh Nayyar Slo Sh. Arjun Singh Rlo 8 8, D.B. Gupta Road, Paharganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri|Smt.|Km. (1) Vinod Gogia S|o Sh. J. R. Gogia (2) Sh. Sunil Gogia S|o J. R. Gogia (3) Smt. Sudha Gogia W|o Sh. G. C Gogia all R|o 4319|3 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

SCHEDULE

"Property bearings No. 8|8 Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi, measuring about 333.34 sq. yds. falling in Khasra No. 915|710 and 711."

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. ग्राई.एसी./एययू./६/एस.भार-1/9-86/925: ---ग्रतः मुझे टी.के. साह श्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे डममें इसके पश्चातु "अक्त अधितियम" कड़ा गया है) को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रविकारी को गर विश्वात कशो का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उविष चाजार मूला 1,90,000/ म. ये स्रविक है और जिसकी संख्या है तथा जो बी-2/63, यशोक्त बिहार, नई किल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद अनुमुन्ती में पूर्व रूप से वर्णित है), "रजिल्दीकर्ता अधिकारी है कार्यातव नई दिल्ती में भारतीत रजिस्दी-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... सितम्बर, 1986 को पूर्वीश्व समाति के उचित बाजार मुख्य से कम दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुने पह विश्वाप करते का कारण है कि यथानुवीस्त भस्तिन का उवित-वानार मृत्त, उपके दृश्य-मान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिकत है परदेतु प्रतिशत प्रसित्न हैं और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रवास्ति (भन्यस्तियों) के बोच ऐं। भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत्र निम्तलिखित उद्देश्य से उना प्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रन्तरंग ते दूई किया थाय को याका प्राप्तका प्रशिविषय, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के यागित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविद्या के लिए और
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अस्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अक्षितिकतः 1922 (1922 का 11) प्रायकर अक्षितियम, 1951 (1951 का 43) या धन कर प्रक्षितियम, 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया नाम कादिए था, क्षिमों में कुरिया के लिए,

भात, भार, भारति । ते भाग 23)-ा के भागुपरण में, मैं उक्त प्रधितियम की धारा 269-व का उपधारा (1) के प्रशीत निस्त- ् लिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- श्री मनमोहन सिंह मुख्य श्री गुरमुखसिंह नियापी-16-नुगलक ोंगड़, नर्दिक्नी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रागीव प्रवचात मुद्दुत्र श्री एत.एम. प्रयवात और श्रीमिति राजरानी प्रवचाल पत्नी श्री एव.एम. प्रवचात निवामी बी-241, हेराशालान नगर, दिल्ली। (पत्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के लिए कार्यवाही सुरू फरता हूँ।

उत्तर सम्पत्ति के चर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपल में अकासन की तारीख़ से 45 दिन की सर्वाध या तथ्यम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की नामीन से 30 तिन की मनधि बाद में अवस्त होती हो. के नार पूर्वीता क्यक्तियों में किसी व्यक्ति हास। (खा) इस सूचना के राजरत्न में प्रकाशन की नारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध कियो प्रन्य ंव्यक्ति ग्रारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो भ्रायकर मधिनियस
1961 (1961 का 43) के भ्रत्याय 20-क में समापरिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसूची

प्रापर्टी मं. बी-2/63, श्रशोक विहार केप-2 दिन्ती। तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागृन हो उसे काट दी जिए)

I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/925. Ref. No. Wereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Shri Man Mohan Singh S/o. Sh. Gurmukh Singh R/o. 16-Tughlak Road, New Delhi. (Transferor) (2) Shri Rajiv Aggarwal S/o. Sh. S.S. Aggarwal, and Smt. Raj Rani Aggarwal W/o. Shri S.S. Aggarwal both residents of B-241, Derawalan Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

"Property No. B-2/53, Ashok Vihar, Parse-II, Delhi".

Date 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

तिर्वेग सं ० आई ए $1 / \sqrt{ eq / 6 / eq}$. घार-1/9 - 86 / 927 : --घतः मुले ्टी.के. सह भागकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इसमें इनके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) को धारा 269- व के अबान सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्थ 1,00,000/- रु. से प्रश्निक है और जिनको संख्या है तथा जो 4866, हरवंप सिंह स्ट्रोट सं. 24, दरियागंत, दिल्लो में स्थित है (और इ.ने उपात्र अनुपूत्रों के पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिल्ही-कर्ता प्रशिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टाकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोन "सक्षम प्रक्षिकारी के कार्यालय में भारतीय भाषकर स्रक्षितियत 1961 की धारा 269-क्रवा के प्रधीत सारीख .. मिनम्बर, 1986 का पृत्रीका समाति के उतिन बाजार मत्य में कर बुध्यमान प्रतिकार के निर्मान्नरित की गई है और रूने यह विश्वास करने का कारण है कि अवाध्योंना सन्ति का उत्ति-आजार मूल्य, उनके दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमास प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिगत भविक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिक्षों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निभ्नतिश्वित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप ये कथित नहीं किया गया है —

- (क) प्रस्तरण में मुई कियो प्राय की बावन प्रायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोग कर देने के प्रकारक के दायि-व में कभी करने या उसते वाले में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी भाष या हिमो भन या प्रभ्य चारितवा का, जिन्हें भारतीय आगहर अवितिशा, 1922 (1922 का 11) या भारकर अवितियन, 1961 (1961 का 43) वा धनहर भरितियम, 1957 का 27 के प्रयोधनार्थ भन्तरितो हारा प्रकट नहीं किसायस शाना चाहिए था, खिसते में सुविधा के चिए,

भतः, भवः, उत्त सधिनियम की धारा 269ग के भ्रतुसरण में, मैं उक्त सिबिन्यम की घारा 269 व की उपधारा (1) के भ्रवीन निम्न-निखित व्यक्तिगों, भर्यान्:-→

- श्री आंस प्रकास गुन्ता पुत्र स्त. डा. स्त्रका गुन्ता करता मैतेज र आफ श्री श्रोम प्रकाश गुना (एचयुण्क) 4318/3, दिर्यागेज, नई दिल्मी। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सन्धू कन्स्ट्रकान 2 बी, पराग डा. सी.टी. देशमुख भागे बस्बई पार्टनर श्री टी.एस. पनजाबी (ब्रन्तरिती)

को यह सूचदा जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाही गुरू करता है।

उक्त सम्बन्धि के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की ग्राविष्ठ या नत्त्वस्वत्वी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ बाद में सनाष्त्र होता हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो झायकर भ्रिवित्यम 1961 (1961 का 43) भन्दाय 20-क में यथा परिभागित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भ्रम्सुची

पी. नं. 4866 हरलंग सिंह स्ट्रीट नं. 24 वरित्रागंज, दिल्लो तालादी 283 वर्ग फीट

तारीख 9 जून 1987 *(जो लागून हो उसे काट दें जिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)./VI/SR-I/9-86/927.— Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to beliefve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4866, in Harbans Singh Street situated at No. 24, Darya Ganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 2690, I hereby initiate produceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nodes under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (a) Shri Om Prakash Gupta,
 S/o Late Dr. Sarup Gupta,
 Karta Manager of Sh. Om Parkash Gupta,
 (HUF)
 4318/3, Darya Ganj,
 (Fransferor)
 New Delhi.
- (2) M/s. Sindhu Construction,
 27-B, Parag,
 Dr. C.T. Deshmukh Marg,
 Bombay Through its partner
 Sh. T.S. Punjabi. (Transferee)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:
- (a) by any aforesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"P.N. 4866, in Harbans Singh Street, No. 24—Darya Ganj, Delhi measuring 283 sq. yds."

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

मई दिल्ली, 11 जून, 1987

निर्देश सं. श्रार्थ. ए. सी./एक्पू./6/एस. भार.-1/9-86/923:--श्रतः, मृद्धो दी. के. साष्ट्र श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ब्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास कराने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- र. से मधिक है भीर जिसकी संख्याहै तथा जो 28-सी, मलीपुर रोड, दिस्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रिअस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित -बाजार मूल्य, जराके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पंनद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित् उद्देश्य से उक्स प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत भायकर मधिनियम, (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी ग्रायया किसी धन था धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धनकर प्रधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनीर्ध धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः, भव, उन्त, भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुरारण भें, मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा 1 के भ्राधीन निम्नलिखित स्पिक्तियों, भर्षातः :---

- (1) श्री सत्यप्रकाश भग्रवाल सुपुत्त स्थागिय श्रा भार. एल. भग्रवाल स्वयं भौर जनरल एटोरनी श्रीमती भौनो भग्नथाल भौर संवीप भग्नवाल निवासी-28, श्रलीपुर रोड, दिल्ली। (भन्तरक)
- (2) श्री धनिल मुलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय नानक राम 2. श्रीमित नीरु मुलचंदानी पत्नी श्री धनिल मूलचंदानी 3. जगदीश मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय श्री नानक राम (4) पुष्पा मूलचंदानी पत्नी जगदीश मूलचंदानी भिवासी बी. डी. एस्टेट, सिविल लाइन्स दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उथत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवदा किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो भायकर भिधिनियम 1961 (1961 को 43) के अध्याय 20-क में सथा-परिभाषित है, वहीं भ्रम्य होगा जो एस अध्याय में दिया गया है।

*(जो लागू न हो उसे काट वीजिए)

ग्रनुसूची

भविभाज्य प्रोपट्री मं. 28-सी, क्षेत्र 700 वर्गगज स्थित भ्रतिपुर रोड, दिल्ली।

तारीख 11-6-87

New Delhi, the 11th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/923 :---Whereas, I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No Undivided property No.28/C, Alipur Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and *registered under Registeration Act 1908 (16 of 1903) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

Shri Satya Prakash Aggarwal
 S/o. Late R.L. Aggarwal for self and as
 Genl. Attorney of Smt. Bina Aggarwal and
 Sandeep Aggarwal
 R/o. 28, Alipur Road, Delhi (Transferor)

- (2) Shri/Smt./Km.
 - (1) Anil Moolchandani S/o. Late Nanak Ram
 - (2) Smt. Neeru Moolchandani W/o. Anil Moolchandani
 - (3) Jagdish Moolchandani S/o. Late Sh. Nanak Ram
 - (4) Smt. Pushpa Moolchandani W/o. Sh. Jagdish Moolchandani R/o. 100 B.D. Estate, Civil Lines, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"Undivided property No. 28/C, Area 700 sq. yds. situated at Alipur Road, Delhi".

Date 11th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

निर्वेश सं. धार्ष. ए. सी./एक्यू./6/एस. धार.-II/9-86/415:---43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गर्या है) की धारा 269 आ के मधीन सकाम मधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-इ. से ग्राप्तिक है भीर जिसकी संख्या जे.-3/134 है तथा जो राजौरी गाईन, नई दिल्ली में स्थित है (घीर इससे उपाबक धनुसूची में पूर्ण कप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक हैं भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीय रेंसे भन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्निसिबत जिहेम्य से चन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आथ की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीय धन्तिरिती धारों प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में धुविधा के लिए,

यत: धत्र उक्त प्रधिनियम को द्वारा 269-ग के प्रानुसरण में, मै उक्त प्रभिनियम को द्वारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों प्रथीत:—-

- (1) स. जोगिन्दर सिंह, पुत्र स. किसन सिंह जे.-3/134, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं. सतकार इन्टरनेशनल द्वारा पॉर्टनर श्रीमती श्राक्षा गुलाटी पतनी श्री पतनी श्री नन्द किशोर गुलाटी श्रीर मोहन गुलाटी पतनी श्री मुलक राज निवासी जे.-3/135 राजीरी गाईन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्य-वाही शुक्र केरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि यां तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इ.रा;
- (ख) इस सूचना के एजपज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, प्रधोहरूत। कारी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रपुक्त सन्धों भीर पदों का, जो भायकर भिक्षितियम 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क में यथ-परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मो. नं. जे.-3/134, राजौरी गार्डन, नई विल्ली तारीमा 12-6-87

मोहर

*(जो ल^गगून हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 12th June, 1987

Ref.No.I.A.C. (Act)/Range VI/SR-II/9-86/415: Whereas I T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/-and bearing No. J-3/134, Rajouri Garden situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealthtax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) S. Joginder Singh
 S/o. S. Kishan Singh
 J-3/134, Rajouri Garden, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri M/s. Satkar International through its partner Mrs. Asha Gulati W/o. Mr. Nand Kishore Gulati and Sh. Mohan singh S/o. Mulakh Raj, J-3/135 (J-3/135) Rajouri Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"J-3/134, Rajouri Garden, New Delhi" Date 12th June, 1987

Date 12th June, 1967

Seal

Strike off where not applicable.

निर्देश सं. भार्ष. ए. सी /ए.स्यू -6/37 र्ष मी/9-86/88:---यतः मुक्त टी. के, साहग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्राचीन सक्षम प्रशिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ र.से ग्रधिक है और जिसकी संख्या है तथा जी प्लैट मं, यू, जी.-9 व एल-9 प्लॉट तं. 10 भ्रामफन्नली रीड नई दिल्ली में स्थित है है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के अधीन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारी 269 कख के प्रधीन तारीख सिहम्बर, 1987 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्त-रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवीकत सम्पत्तिका उचित बाजार मृथ्या, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्य मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक हैं और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बावत भायकर भ्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्राधीन कर देंने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए और
- (का) ऐसी किसी द्याय या किसी क्षन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाई अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव उन्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं उन्त भ्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के भ्रधीम निम्म-सिखित व्यक्तियों भ्रमीत:—

- (1) मैं एसल प्रोपरटीज और इण्डस्ट्रीज बी.-10, लार्नेन्स रोड़,
 अीद्योगिक एरिया भई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मै. जैकसन लैबोरेट्रीज 1496, पहली मंजिल, भागीरथ प्लेस दिल्ली-6 (धन्हरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरुकरता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की प्रविध था तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त संबंदों और पदों का, जी भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 30-क में यथा-परिभाषित है, वहीं भ्रयें हीगा जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**मुस्**भी

पंतरित में यू. जी, 9 व एल 9, अपर प्राउंड क्लोर व नोक्ट

फ्लोर प्लाट नं. 10 ग्रामफ ग्रली रोड, नई दिल्ली । तारीख 12-6-87 मोहर

*(ओ लागू नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/88.— Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 and 285.39 sq. ft. situated at 10, Asaf Ali Rd. N.Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Essel Properties & Industries
 B-10, Lawrence Road Indl. Area,
 New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Jackson Laboratories
 1496, Ist Floor, Bhagirath Place,
 Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official gazette or a period of 30 days from the serivce of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65; & 285.39 sft." Plot No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

Datec 12th June, 1987.

Seal.

*Strike off where not applicable

निर्वेश सं. आई. ए. सी. /एवम् ,~6/37 ई. ई.-9-86/90:-- ; मत मूझे टी. के. साह ग्रायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम कहा गवा है) की धारा 269 स के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूह्य 1,00,000/- रु. से द्माधिक है और जिसकी संख्या 17 ए है तथा जो नजफगढ रोड इण्ड-स्ट्रीयल एरिया नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद सन् भूची में पूर्ण रूप से विणित है), *सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख के प्रधीन तारीख सिसम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकित सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दक्य-मान प्रतिकल से, ऐसे दम्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं भीर प्रग्तरक (प्रन्तरकों) और प्रग्तरिती (प्रन्तिरितियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गर्या है:⊸-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की धावत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रियीन कर देने के ग्रन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तरिती प्रारा प्रकट महीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः मन उन्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं धनत मिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के मधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों मणोतुः ---

- (1) श्रीमती नरित्यर कान्ता पत्नी श्रीमती सन्तीय कुमारी 16-ई, कमक्षा भगर, दिल्ली-7 (घन्तरक)
- (2) मैं. विपुत्त प्रीपरटीज प्रा. जिमिटेड बी-9, मायापुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया, फोज-1, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करता हूं।

उनतः सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविद्यावाद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

*पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो झायक अधिनियम 1961(1961 का 43) के घट्याय 20-क में यथा-पीरमा-विन है, वही अर्थ होगा जो उस भट्याय में दिया गया है। अनुसूर्वा

प्लाट नं. 17-ए, नजफ गड रोड इस्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली तावादी 1993. 3 वर्गगण

तारीख 12-6-87

मीहर

*(जी लागून ही उसे काट बीजिए)

I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/ 90.-Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17-A, situated at Najafgarh Road Industrial area, New Delhi (and more fully described in the Scheduleannexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. Narinder Kanta and Smt. Santosh Kumari, 16-E, Kamla Nagar, Delhi-110007. (Transferor)
- (2) M/s. Vipul Properties (P) Ltd.
 B-9, Maya Puri, Indl. area, Phase-I
 New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

"Plot No. 17-A, Najafgarh Road, Industrial area, New Delhi Measuring 1995.3 sq. yds. Date 12th June 1987.

Seal

*Strike off where not Applicable

निर्वेश मं आई ए. सी./एकपू. 6/37ई.ई./9-86/182---- आतः सुझे टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उकत अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख के अधीन सक्तम अधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र. से अधिक है और जिसकी सख्या है तथा जो बारा हिंदुराव, नया रोहतक रोड व किशानगंज नई विज्वों में स्थित है (और इसने उनावध अनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है), सतान अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिक्यम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित खाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपत्ति का

जिल्ला-बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पण्डह प्रतिमत सक्षिक हैं सौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर सन्तरितों (अंत-रितियों) के बीच हैंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित जेहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तवि रूप से कवित नहीं किया गर्या है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्राधिनिधम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः भव उक्त भ्रक्षिनियम की द्वारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रिधिनियम की द्वारा 269 व की उप-द्वारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत:—

1. श्री/श्रीमती/कृमारी

मै. कैलाशनाय एंड एसोसियेटस

18 बारासभा रोड, नई विल्ली-110001

(अंतरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी

मैं.डी. सी.एम. लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

बाड़ा हिंदूराव, दिल्ली

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उभन संपत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :

- (क) इस सुखना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सुखना की तामील से 30 दिन की प्रविध बाँव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितव के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधो-हस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो झायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में सवापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

- (1) हर एक वस ग्रांबासीय भवनों में कुल बने हुए ब विकय योग्य ऐरिये का 52% भीर
- (2) हर एक माठ पलैटिड फैक्टरीज में कुल बने हुए व विकय योग्य परिये का 60% जो कि मी. कैलासनाथ एंड एसोसियेट्स द्वारा, बी.सी.एम. की बांबा हिंदू रांब, नया रोहतक रोड व किशनगंज दिल्ली में स्थित जमीन पर बनाये जाएंगे।

तारीच 12-6-87

मोहर

(जो लागून होता हो उसें काट विजिए) 454 GI/87

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/182.-Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. D.C.M. Ltd., at Bara Hindu Rao. Rohtak Road, Kishanganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pure once of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates18, Barakhamba Road,New Delhi-110001 (Transferor)
- (2) M/s. DCM Limited.
 Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of ihe said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. **SCHEDULE**

- (i) 52% of the total built up and all other saleable areas in each of the ten residential; and
- (ii) 60% of the total built up and all other saleable areas in each of the eight flatted factories., buildings to be constructed by M/s. Kailash Nath & Associates on the land in possession of DCM Ltd. at Bara Hindu Rao, New Rohtak, Road, Pahargani, Delhi.

Date 12th June, 87.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एस्प्/6/37इइ/9-86/184.--- प्रतः मुझे टी. के. साह बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्चात् चक्त मिनियम कहा गया है की धारा 269ख के मधीन सक्तम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका **एक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक है धौर जिसकी संख्या**-है तथा जो 10-सी, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली में स्थित है भीर इससे उपाबदा भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, सक्षम अधिआरी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की बारा 269कख के प्रधीन गारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिभत बाजार मृत्य सेकम बुश्यमान प्रतिफलके लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्योक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक हैं ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजित उद्देश्य सेउक्त ग्रस्तरण क्षित्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) ब्रन्तरण पे हुई कि नी अराय के बाबत आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वॉपित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भ्रीर
- (खा) ऐसे किनी भाग या किनी यन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर घांधनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर प्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्राधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारत प्रकट नहीं किया गया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

अत: अब , उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की गरा 269य की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित **ध्यक्तियो ग्र**थाः ---

ाश्री/भीपतो क्र^करी । सतीय कोहली 1/2 जनपथ लेन, नई (दल्ली

- (2) राजन ज्योतिय कोहली एस-154, ग्रेटर कैलाश-2 मई विल्ली।
 - (3) रमेश राज कोहली डी-21, एन डी एस ई 2, नर्धिवल्ली।
- (4) विवेका कोहजी 10वी, सर गंगाराम हास्पिटल नई विल्ली (भ्रन्तरिती)

2. श्री/श्रीमित कुमारी मोरियण्टल मरकंटाइल्स कं. लिमि. पंजीकृत कार्यालय 36ए एंड बी, प्रतापदिस्थ रोड, नई दिल्ली।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यकाही शरू करता है।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप:

- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (चा) इस अचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्षि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो आध्यकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के सम्बाद 20-क में यचा-परिवाधित है, वही धर्ष होगा जो उस प्रक्र्याय में विदा गया है।

प्रनृष्ठभी

प्रापर्टी बियरिंग नं. 10-सी कस्तूरका गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

तारीच 12-6-87

मोहर

[#]जो लाग न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/184— Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) of 1951) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. 10-C Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *hus been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the L.T. Act, 1951 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marks value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax

(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

NOW, therefore, an pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Shri Satish Kohli, 1/2, Jupath Lane, New Delhi., 2 Rajen Jyotish Kohli S-154, G. Kailash-II, (Transferor)

3. Ramesh Raj Kohli,
D-21, NDSE-II and Sh Vivek Kohli,
10-B, Sir Ganga Ram Hospital Road,
New Delhi. (Transferer)

(2) The Oriental Mercantile Co.Ltd., Regd. Office: 36,A & B, Pratapaditya Road, Calcutta-700026.

(Transferee)

M/s. Khaitan Electricals Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of-30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Property bearing No. 10-C, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi".

Dated 12 June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

निर्देश सं प्राई ए. पी. एक्सू '6'37 १६'9-86/152.— प्रतः, मुझे, टी. के. साह भ्रायकर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त श्रीविनयम' कहा गया है) की धारा 269व के श्रीविन सक्षम प्रविकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका पंजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से श्रीवक है भीर जिसकी संख्या — है सथा जो पनैट नं 312, सिंबिकेट हां कस, 3, भोल्ब रोहतक रोड, गई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद मनुसूची में पूर्ण कप से बर्णित है), कसमम श्रीवकारी के कार्यालय में भारतीय भायकर श्रीवनियम

1961 की बार्स 269क के अबीन नारीख सितंबर 1986 का पूर्वोक्त गंगीत के उचित बाजार मूह्य से कम वृक्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकित संपत्ति का उचित-बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् गतिणत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबन भ्राकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, भौर
- (का) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घ्रत्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर घ्रधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ घ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः अव उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसार में, मैं उक्त श्रीधिनियम की घारा 269 की उप-द्यारा (1) के अधीन निम्नलिखितं श्रीक्तयों अर्थात्:—

i. श्री/श्रीमती/कुमारी एस बी सेल्स लिमि.

गूबी-1, ग्रंसल भवन, 16-के जी मार्ग, नहीं दिल्ली। (श्वन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेंट, लिमि. 504/32-33 कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस नर्द दिल्ली। (श्रुग्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही सुद्ध करता हूं।

चक्त तंपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस गूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्में बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (का) इ.स. पूत्रका के राजस्त्र में प्रकासकी तारीका से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्यावर मंपति में हित्रबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राजाहरूनाक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो झायकर अधिनियम 1961 (1961का 43) के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

भनुसूची

पर्नैष्ट मं, 312 ताथावी 485 वर्ग फीट सिडीकेट हा उस, 3 झोल्ड रोहतक -रोड, निर्दे दिल्ली।

तारीच 12-6-87

***जो लागुन हो उसे भाँट** दीजिए

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/152.— Whereas, I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 312, in Syndicate House, situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C,

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Mark, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading and Investments Ltd. 504/32-33, Kusal Bazar, Nehru Place,

New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that. Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 312 measuring 485 sft. in Syndicute-House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

Date 12th June, 1987. Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं.श्राई.ए.सी./एक्यु./6/37इइ/9-86/153.--ग्रत:, मुझे टी. के शाह अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत प्रविनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वसि कराने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जित बाजार मृह्य 1,00,000/- र. से प्रधिक है और जिसकी संख्या ----है तथा जो स्पेस न. 203-ए, सिंडीकेट हा उस 3 स्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसुषी में पूर्ण रूप से र्वाणत है), "सक्षम श्रिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीच सितंबर 1986 की पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाभार मूल्य से कम दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपत्ति का उ।वत-बर्गार मुख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक हैं ग्रीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरियों (भन्त-रितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जहेरय से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया। गया है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर
- ·(আ) ऐसी किसी आय याकिसी धन या ग्रन्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिध-नियम 1957 को 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हाचा प्रकट नहीं किया गया जाना च हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः, प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्स **प्रक्रि**नियम की **धा**रो 269घ की उपुधारा (1) के प्रधीन निम्नलि**खित** व्यक्तियों, भ्रषति :---

एस. बी. सेल्स प्रा. सिमि. 1. श्री/श्रीमती/कुमारी युबी-1, श्रंसल भवन, 16-क. जी. मार्ग, नई विल्ली। (घन्तरक)ः

मैससं यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इंबेस्टमेंट सिमि. श्री/श्रीमती/कुमारी

> 504, कुनूल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई विस्ली (ग्रम्परियों)

को ग्रह सूचर्या जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सु करता है।

स्रभत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी क्यांश्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकत व्यक्तियों में किसी क्यांश्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख 15 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधी-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्तेगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो झायकर घिनियम 1961 (1961 का 43) के झड्याय 20-क में यथा-परिमाणित है, वहीं धर्ष होगा जो उस झड्याय में दिया पया है।

धनुसूची

वर्षेस मं. 203-ए, 335 वर्गेकीट सिंडीकेट हा उस, 3-फोल्ड रोहतक रोड। विरुक्षी।

सारीख 12-6-87

***को लागन हो उसे काट दीजिए।**

टी. के. याह, सवास अधिकारी सहायक यायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन 6 रेज़ दिल्की, नहीं जिली: 110002

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/153.---Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203-A in Syndicate House situated at 3, Old Rchtak Road, Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or 454 GI/87—4

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-T.x Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg New Delhi., (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504. Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the usuid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Space No. 203-A of 335 sft. in Syndicate House 3-Old Rohtak Road, Delhi".

Date: 12-6-87

Seal:

*Strike off where not applicable.

T. K. SAH,

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Aquisition Range, VI
New Delhi-110002